

॥ मरुतसमाधि ॥

आशा अ. वि.	
384	I
ASHA ARCHIVES	

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ ॥ श्री २ ॥ ॥ ॐ ॥



ॐ नमो श्री वज्र सत्ताय ॥ ॥ द्रामा पुशा रू रू न विर के सक यणा ना काय रू रू मान नः
 निपा के ॥ ॐ नमो ए ग वत पूष के रू ना जय न धा ग ला या द न स र्म क स वृ द्वा य न स र्म
 पूष पूष महा पूष पूष स र व पूष वि का त क म न पू स र व किल ॐ स्वाहा दान पति
 रू रू मान सः न पा न म ॐ ले त नी क य न न का गि व ग न रू स ॥ ना काय ॥ नामा दि स पति
 वा स क स्य स क ना सि ग म्म के र्थ ध र्म न र्थ का म मा कृ व रू व ग रू स प्रा र्थ रू ध म नः

वाक्कागथमिद्रिलप्रात्यर्थः कृतास्तनक्तसक्तपापदुखं न पूर्वकनाजशोधका
प्रविषसगप्रचक्रदृष्टिरादयनाथी॥ गहनानाविद्युननानाएयनार्थः अगुथिगानि
वागपितकरुसर्वनपागनकागजागानिबसवानिनागानि। सिगुभलथी॥ ॥
अस्मीदिन्ययुवाहिसूत्रश्रीमत्श्रीश्रीवज्रकागि। भिदवीएगलालकगलभमदाका
लवचक्रसववलवजवा नाहि आनडादि वेस्वाननवल्यासनगुरुमधुनाचनस

गलएवावाहनाय अर्द्धकर्मपूषराजनलमकनामि॥ पूजाएनअनियारकं जजमान
५ जाकिरुद्रलपशय॥ ॐ गुरुवर्द्धगुरुधम्मगुरुसर्वगत्यवचगुरुवजधनवेवगुरुस
वनमामिद्दी॥ गनाकीय॥ लकलालाहपचीन॥ ॐ वदश्रीवजसूत्रववधवजगु
रुसर्वतुगएवंकनानात्रयनयनालिमिनएयदलनित्रिहिमत्रुभेधिर्नधम्मा
धनमूनिनाजिनवलगुरुगंमधुर्लवजधगुसवाधदकलूपसदृशमुखमयदः

दिनाभाङ्क ३॥ जाकिमधुलसगया॥ नखंसाधधयाय॥ ॐ आर्द्रं गुरु आह्लावंवशादकं अ
मृतं एव कुनभास्वादा अतीषिचिनुसवगथागनगुगथादिजातमाने सनापितासु
धदिद्यनवादिनातथादगनाकनीयामिअरिषकसमशर्द्धेवकालसूधरुनलूपीवि
राय॥ देवसनाधयाके॥ यत्तगलसकनगत्वहृदिधितस्य सर्वामकस्यवजमकुना
धिपस्यनिस्यकगत्वस्यजधकस्यमहासूकस्यगगमगलेएवगुगपमारिषक॥ इत्येक

नकंअस्नानया॥ प्रतिविम्वसमाधर्मी अथासूधादेनावतात्तनगधकपाचरुं तुकर्म
२ सुमृतरवं॥ ॐ ॥ अरिषकवीया॥ ॐ अरिगुखीमहावजनेधगुकेनमीकुकेदका
मिसर्ववृधनागिकुशालवजसर्तव॥ आवाहनायाय॥ ॐ एगवनग्रीमरुग्रीग्रीपूवा
हीमुखवजगगीनिदविरगालकआवाहनाय००० दीवजधूपनियोगयामिनम॥ धू
त्वाय॥ ॐ ॥ जापमगुआकवधपासादिगया॥ ॐ ॥ ॐ एगवधग्रीमरुग्रीग्रीपूवाः

रिमुखवज्रयागिनीदेवीरगगात्रकलपाप्रप्रतिरुत्वाहा॥ ६॥ ॐ हं हं वज्रयागि
 नीयनस्वाहा॥ ॐ ऊगि न्यायहं हं नमस्वाहा॥ ॐ मूद्रमात्रायनमस्वाहा॥ ॐ त्रकवर्ण
 देवीनमस्वाहा॥ वज्रधरायनमस्वाहा॥ ॐ प्राग्रधरायनमस्वाहा॥ ॐ वामधरायनमस्वा
 हा॥ ॐ गान्निदेवीनमस्वाहा॥ ॐ वज्रपूर्यप्रतिरुत्नमस्वाहा॥ ६॥ सिद्धत्रयिचक्र॥
 ॐ चद्रनसिद्धलत्रयिर्नं पृथ्वीर्नं पापनाशन आयदाहत्रयिर्नमस्वाहा॥

४ गजमकाष्टाय॥ ॐ दंतीपमवर्नं नानालगपक्षारिर्नदादामीपमहाप्रतिगथजः
 धासूर्वी॥ ६॥ स्वानकाष्टाय॥ ॐ माधतिमाधवीशमदानर्चकादेवीर्नमादिपृथ्वसुश
 र्नीराहनपृथमागिकानमा॥ ॐ नेवप्रकाष्टाय॥ ॐ नेवप्रसर्वसुशरीखात्रलाभमूर्जी
 तंलग्नसामुपिलानिददामिपदमपदा॥ ६॥ पचवसमयावायनिव्यकषकः॥
 जीगानाहजहर्हं॥ धाताथकाष्टाय॥ ॐ हं कानपमदवर्हं कानसिद्धिगजहर्हं कानहव्य

सुखवर्द्धकां ता तु न मा तु ग ॥ म न वी य ॥ ॐ दी पा या ह ग ग ह्य नै र्व वि वि ना ग ध च च ने नः
स म ज्ञा त्रा म या न ग प्र ग धि स क न ग ग ल पा ग न दी प दान तु र्प ग प्र दौ ष या मि न मा ॥ ॥
गा य ल हा ज ॥ ॐ अध म्मा रा हं तु प्र रा वा हं व ल ए वा स जे नि रु ह वं म हा दि म हा ग व ल ॥
गा ग्र रा य ॥ ॐ न मा ग्री व ज्ञा गि ती नः न वं का ल ग मा सि न ग ह ज्ञा न च म्भ नू पि षी प्रः
ह्रा ह्ना ना धि ला ना ज्ञा न म स्तु व ज्ञा गि नि ग ह ॥ - ६ - ॥ ध न ध वा य ॥ ॐ प्र क्ता ल हं सं लः

५ वी ष्ण क्ता ल हं आ च न म ध प्र ति क्ता न मा स्वा हा ॥ हृ द य न मा स्वा हा ॥ ॐ श्री म् स्वा हा ॥ का य वी
ध्व ध न न मा स्वा हा ॥ पा द प डा ध न मा स्वा हा ॥ प्र रु ध म धी प्र ति क्ता न मा स्वा हा ॥ पू जारः
न धि य के ॥ ॐ न मा रा ग व ग पू प के तु ना ज्ञा य ग था ग ला या हं नै स म्य क ग व द्वा य न म्भ थ पृ थ्व पु
पृ स्र प म हा पृ थ्व पृ थ्व ग र व पृ थ्व वि का ग क म ध पृ स्र ए व किल न कृ न म स्वा हा ॥ अ नि या य ॥
ज्ञा त्वा ज्ञा स्वा न गि न्य सी ल ग न य ॥ ॐ आ र्द्रं ष्टि का या धि ध म्भ स वी पा या न प ठ र्द्रं ष्टि गः

वज्रमालास्वाहा मधीधनी वज्रधीमहाप्रतिगलत्रक्रमस्वगतानाचतिनकवीरुत्वंप्र
तिरुस्वाहा॥ ६०॥ उँस्वधिलकवृत्वंप्रतिरुस्वाहा॥ मंदलकीप्रसन्नय॥ यानरुम
यमपूनावगदिर्नग्रीप्रचणमादिनकातिरुधप्रपीपीधिकापधयवीरुकिजीधमपनध
धगङ्गनमेकरिन्नकनीर्षप्रहासुप्रवोकात्तायगपात्रमिगात्वगहगत्वाकृत्तामनिम
प्रहवतुकलकवर्धसर्वशक्तवीवज्रिगंसुलम्बीजिनमिसिगंरुचुवदिवदिकाति।

धनकधकगमृधिशायननाडवंसुगगवल्लगदुमिकायकमाधकृत्वा उँ आर्द्रं गुरुचक्र
३ वीमत्रप्रतिरुस्वाहा॥ ६०॥ धनध्यान॥ उँ मन्नाधिसिगहमीमधयकालाधिवारुवि
वीरुगजागंमहाहूर्गवायुजगल्लिजात्रावनीमलुप्रपत्रीगकाप्रधनगुमधयत्तसीहा
गल्लिगपप्रचन्दग्रीवज्रसत्त्वादिरुकेकमुखसुवृवज्रधस्कासिधवीचिगाहप्रधारा
वीनग्रीप्रग्रीचिवज्रधजिधर्दुनित्रावननाएजुआत्मादिकुनरागवर्कगुरुगगा

नकलया॥थनसूरावशुद्धा॥ ॐ नृणावगुह्यसर्वधर्मांनासूरावसुद्धा
गाहननवजम्बरावामकोरुसन्वावितावज्जाकषिन्पद्वेवज्जवकुह्वेवजावृगज
वज्जापागजवज्जसूगमःवजाऐगजःरुद्रज्जद्रुद्रज्जग्रीमरुग्रीगुत्रुमधुनदेवतरगदात्रक
पाञ्चावनाधीप्रतिष्ठस्वाहा॥ ८६ ॥थनक्राकिप्रवसवाया॥ ॐ जद्वेवद्वेकुमाद्रुनार्थीमधु
सवज्जपूषावाडागा॥ ५२ ॥ ॐ समद्वेस्यत्रवनमस्वाहा॥ ॐ द्रुतधमलवेनमास्वाहा॥ ॐ

वनमास्वाहा॥ ॐ ये पूर्वविधदायनमास्वाहा॥ ॐ नर्जवीधीपायनमस्वाहा
नपशुमावदियायनस्वाहा॥ ॐ वंउ
हा॥ ॐ इमडपधियायनस्वाहा॥ ॐ पगजननायस्वाहा॥ ॐ नपुखलनायस्वाहा॥ वा
चीधमनयनमास्वाहा॥ ॐ अधर्वन्दायस्वाहा॥ आसुरीयनस्वाहा॥ ॐ ग्रीमरुगुत्रुव
आगकुरगवन्नागुत्रुधुस्वाहा॥ ८७ ॥थनसिधयतिवके॥ ॐ वज्ज

384 I





1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000 1000

Handwritten text in a script, possibly Indic, located at the bottom of the page. The text is written in two lines, separated by a horizontal line. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The first line contains approximately 12 characters, and the second line contains approximately 15 characters. The text is somewhat faded and difficult to decipher due to the age and condition of the manuscript.

Handwritten text in a cursive script, possibly a name or title, located at the top of the page.

Handwritten text in a cursive script, possibly a name or title, located in the upper middle section of the page.

Handwritten text in a cursive script, possibly a name or title, located in the middle section of the page.

Handwritten text in a cursive script, possibly a name or title, located in the lower middle section of the page.

Handwritten text in a cursive script, possibly a name or title, located in the lower section of the page.

Handwritten text in a cursive script, possibly a name or title, located at the bottom of the page.

